>

Title: Introduction of the Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu (Merger of Union Territories) Bill, 2019.

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से माननीय अमित शाह जी की ओर से प्रस्ताव करता हूं:

> "कि दादरा और नागर हवेली तथा दमण और दीव संघ राज्यक्षेत्रों के विलयन और उससे संबंधित मामलों का उपबंध करने के लिए विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति प्रदान की जाए ।"

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है :

> "कि दादरा और नागर हवेली तथा दमण और दीव संघ राज्यक्षेत्रों के विलयन और उससे संबंधित मामलों का उपबंध करने के लिए विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री जी. किशन रेड्डी: माननीय अध्यक्ष महोदय जी, मैं विधेयक को पुरःस्थापित** करता हूं ।

माननीय अध्यक्ष : आइटम नम्बर – 4, श्री संतोष कुमार गंगवार जी ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर, यह सबसे बड़ा मुद्दा है, आप इसे कैसे बुला सकते हैं?…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं इस पर आपको व्यवस्था दूंगा ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, विपक्ष की आपत्ति को मानते हुए, आप इस विधेयक को कल पुर:स्थापित करें ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, दो दिनों का समय दीजिए । यह बड़ा बिल है ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सभी विराजें ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नो, सुरेश जी ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने आपको दो दिन की व्यवस्था दी है । ये दो दिन कल हो जाएंगे, इसलिए आप नया विषय क्रिएट नहीं करें । मैंने आपको दो दिनों की व्यवस्था दी है । मैंने कहा है कि मंत्री जी इसको कल इंट्रोड्यूस करेंगे । मैंने आपकी व्यवस्था को मान लिया है ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, कहां दो दिन हुए?…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने कल के लिए कहा है । माननीय सदस्य, आप बुलेटिन में देखिए । आप ऐसा क्यों करते हैं?

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : यह इतना बड़ा बिल है ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इतने बड़े विषय हैं, इसलिए मैंने आपकी बात को मानते हुए ।

…(व्यवधान)

श्रम और रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष कुमार गंगवार): सर, मुझे कोई आपत्ति नहीं है, जो आपका आदेश है ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, मैंने व्यवस्था दे दी है । आप कल बिल को इंट्रोड्यूस करेंगे ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अभी स्टैंडिंग कमेटी की चर्चा नहीं कीजिए ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : दादा को भी बोलने देंगे या आप ही केवल बोलेंगे ।

…(व्यवधान)

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय (कोलकाता उत्तर): अध्यक्ष महोदय, यह बहुत बड़ा बिल है, बहुत बड़ा विषय है । इस बिल को स्टैंडिंग कमेटी को भेजना चाहिए ।…(व्यवधान) आज ही उनको एनाउंस करने के लिए बोलिए ।

श्री संतोष कुमार गंगवार : अध्यक्ष महोदय, यह बड़ा बिल है और स्टैंडिंग कमेटी के पास पूरी चर्चा के लिए भेजना चाहते हैं ।

माननीय अध्यक्ष : आपको पूरे दो दिनों का समय इसे पुर:स्थापित करने के लिए दिया जाएगा, उसके बाद इस पर डिबेट की जाएगी ।

श्री अधीर रंजन चौधरी: आप इसे स्टैंडिंग कमेटी में भेजना चाहते हैं ।…(व्यवधान)

मानीय अध्यक्ष **:** अभी डिबेट नहीं कीजिए । मैंने आपको आज्ञा नहीं दी है ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : मैंने किसी को आज्ञा नहीं दी है ।

…(<u>व्यवधान</u>)

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह दुखद विषय है कि आपका निर्देश वह नहीं सुन रहे हैं । श्री सुदीप जी जो आग्रह कर रहे हैं, …(व्यवधान) वह प्रसंगहीन है और मंत्री जी जवाब दे रहे हैं, वह आज ही स्टैंडिंग कमेटी में भेज रहे हैं ।…(व्यवधान) महोदय, इस तरह से कैसे सदन चलेगा? …(व्यवधान) यह कल पेश होगा, उसके बाद ये विरोध करेंगे, उसके बाद यह स्टैंडिंग कमेटी में जाएगा ।…(व्यवधान) यह क्या सिलसिला चल रहा है? …(व्यवधान)

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): It is our right to ask for information from the Government. …(*Interruptions*) Why are you objecting to it? …(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: आप आपस में डिबेट मत कीजिए ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि सदन में आप लोग आपस में डिबेट न करें । मैंने कई बार कहा है, अगर इस सदन को सुचारू रूप से चलाना है, तो आप आपस में चर्चा न करें । न इनको इजाज़त है, न आपको इजाज़त है ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: संसदीय कार्य मंत्री जी, आप क्या बोलना चाहते हैं?

संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रहलाद जोशी): सर, जैसा कि मंत्री जी ने कहा, यह ऑलरेडी सर्कुलेट हो चुका है । हम इसे स्टैंडिंग

कमेटी में भेज रहे हैं । …(व्यवधान) आप क्यों बात करते हो? …(व्यवधान) हम स्टैंडिंग कमेटी में भेज रहे हैं । इसलिए मेरी रिक्वेस्ट यह है…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैंने एक बार व्यवस्था दे दी है कि यह दो दिन बाद इंट्रोड्यूस होगा, उस समय डिबेट करेंगे कि इसे स्टैंडिंग कमेटी में भेजना है या नहीं भेजना है । हर बिल को स्टैंडिंग कमेटी में भेजने का सिस्टम न डाला करें । सदन चलने दें । हर बिल स्टैंडिंग कमेटी में जाएगा, तो सदन के अंदर…

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, यह बहुत बड़ा बिल है ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: उस समय चर्चा कर लेंगे ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: उस समय आपकी आपत्ति सुनेंगे ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : आपत्ति की बात नहीं है सर ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: उस समय आपकी आपत्ति सुनेंगे । सदन का जो विचार होगा, उसको माना जाएगा ।

…(व्यवधान)

SHRI KODIKUNNIL SURESH : Sir, I thank you for your observation. …(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, 377 से संबंधित मामलों को मैं उठाने की इजाज़त देता हूँ । सभी माननीय सदस्य 377 से संबंधित विषय सदन में पढ़ सकते हैं ।

डॉ. जय सिधेश्वर महास्वामीजी ।

14.12 hrs

MATTERS UNDER RULE 377